संवाददाता | इंदौर

...ल्या यूनिवर्सिटी ने आखिर पीएचडी ...की सूची जारी कर दी है। यह सूची रिजल्ट आने के छह माह बाद जारी हुई है। दिसंबर में हुई पीएचडी प्रवेश परीक्षा का 22 जनवरी को रिजल्ट आया था। तब से छात्र सूची के ही इंतजार में थे। गाइड की संख्या 350 के आसपास है, जिनके मार्गदर्शन में 780 सीटें खाली हैं।

सबसे ज्यादा मैनेजमेंट में- फिलहाल सबसे ज्यादा सीटें मैनेजमेंट में 204 हैं, जबकि कॉमर्स में 106 और कैमेस्ट्री में 70 सीटें हैं। कुल 43 विषयों में 1 से लेकर 204 सीटें तक हैं। हालांकि कई विषय ऐसे हैं, जिनमें गाइड की खाली सीटों से कई गुना ज्यादा उम्मीदवार हैं, जबकि कई विषय ऐसे हैं, जिनमें सीटों की तुलना में आधे भी शोधार्थी नहीं हैं।

अब आगे की प्रक्रिया- अब लंबे समय से अटकी प्रक्रिया शुरू हो पाएगी। खास तौर पर अलग-अलग कमेटी की बैठक, कोर्स वर्क और फिर गाइड अलॉट करने की प्रक्रिया होगी।

दैनिक भास्कर 20/7/2020

गूगल क्लास रूम के जरिए होगी डीएविवि की परीक्षाएं

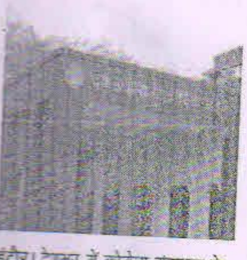

इंदौर। देशभर में कोरोना संक्रमण के कारण अधिकांश स्कूल व कॉलेज बंद है तथा परीक्षाएं भी निरस्त है। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी (डीएवीवी) ने टीचिंग विभागों में अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा अगस्त के पहले सप्ताह में करवाने का निर्णय लिया है। ये परीक्षाएं गूगल क्लास रूम एप के जरिए होंगी। यूनिवर्सिटी अन्य कोर्स की परीक्षा भी ऐसे ही सिस्टम से करवाने की तैयारी में है। डीएवीवी प्रदेश के पहली यूनिवर्सिटी है जो ऑनलाइन परीक्षा करा रही है। दरअसल, टीचिंग विभागों में अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा को लेकर यूनिवर्सिटी असमंजस में थी, क्योंकि एक तरफ यूजीसी ने परीक्षा अनिवार्य करवाने का आदेश जारी कर दिया था, वहीं राज्य शासन जनरल प्रमोशन का निर्णय ले चुका था, लेकिन चार दिन पहले शासन ने यूजीसी की गाइडलाइन को मानते हुए तय किया कि वह अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा करवाने को तैयार है।

नई दुनिया 20/7/2020

> स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाओं को लेकर गाइडलाइन का इंतजार किया जा रहा है। विद्यार्थियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय को भी जनरल प्रमोशन की स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है। गाइडलाइन आने के बाद भी मूल्यांकन में तीस दिन का समय लगेगा।
>
> – डॉ. रेणु जैन, कुलपति देवी अहिल्या विश्वविद्यालय

पीएचडी की 779 सीटें खाली छह महीने बाद जारी हुई सूची

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। पीएचडी-एमफिल में दाखिले के लिए हुई प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट छह महीने पहले घोषित हुआ था, लेकिन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने अब जाकर पीएचडी की खाली सीटों के बारे में बताया है। साथ ही गाइड की सूची वेबसाइट पर अपलोड की है। इसके बाद चयनित उम्मीदवारों को थोड़ी राहत जरूर मिली है। मैनेजमेंट-कॉमर्स में सबसे ज्यादा सीटें हैं। करीब 43 विषय में कुल 779 सीटों पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन अब जल्द ही डिपार्टमेंट रिसर्च कमेटी (आरडीसी) करवाएगा। संभवतः अगले महीने से प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

डॉक्टरल एंट्रेस टेस्ट (डीईटी) 2019 के तहत पीएचडी और एमफिल में दाखिले की प्रक्रिया सालभर पिछड़ चुकी है। सीईटी में तकनीकी गड़बड़ी और नैक निरीक्षण के चलते परीक्षा सितंबर के बजाए चार महीने देरी से 22 दिसंबर को हुई। रिजल्ट भी महीनेभर बाद 22 जनवरी को घोषित किया। तब से बार-बार उम्मीदवार खाली सीटों की जानकारी की मांग कर रहे थे मगर विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही की वजह से जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी। लगभग छह महीने बाद 19 जुलाई को विश्वविद्यालय ने विषयवार सीटों और गाइड की जानकारी दी है। 43 विषय में करीब 350 से ज्यादा गाइड पीएचडी करवाने को तैयार हैं। बताया जाता है कि ज्यादातर गाइड ने सिर्फ आधी सीटों पर शोध कार्य करवाने पर सहमति दी है। परीक्षा प्रभारी डॉ. विजय बाबू गुप्ता का कहना है कि चयनित उम्मीदवारों को आरडीसी के लिए आवेदन करना होगा। इसके लिए विवि की वेबसाइट पर फॉर्म अपलोड कर दिया है।

ये है सीटों का ब्योरा

अप्लाइड फिजिक्स	3	गणित	6
बायोकेमिस्ट्री	13	केमिस्ट्री	70
बायोटेक्नोलॉजी	10	फॉर्मेसी	11
बॉटनी	24	ऑथोपैडिक्स	2
कॉमर्स	104	ऑप्थोमोलॉजी	2
कंप्यूटर साइंस	20	फिजिकल एजुकेशन	11
कंप्यूटर इंजीनियरिंग	12	फिजिक्स	43
डाटा साइंस	4	राजनीतिक शास्त्र	3
डांस	4	समाजशास्त्र	25
इकोनॉमिक्स	29	जू-लॉजी	20
एजुकेशन	9	अप्लाइड मैथेमैटिक्स	5
एनर्जी एंड एन्वायरनमेंट	5	अप्लाइड केमिस्ट्री	8
भूगोल	6	इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन	20
हिंदी	3	उर्दू	5
इतिहास	1	ड्रॉइंग एंड पेंटिंग	6
होम साइंस	46	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	10
इंफर्मेशन टेक्नोलॉजी	7	इलेक्ट्रॉनिक्स	4
लाइफ साइंस	11		
मैनेजमेंट	206		

विश्वविद्यालय : प्रोजेक्ट और केस स्टडी पर पूछेंगे सवाल

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कमेटी ने कोरोना संक्रमण के बीच यूजी-पीजी कोर्स के फाइनल ईयर व सेमेस्टर की ऑनलाइन परीक्षा का प्रस्ताव दिया है। पांच सदस्यीय कमेटी के प्रस्ताव को विवि प्रशासन ने सहमति दे दी है। परीक्षा में प्रोजेक्ट और केस स्टडी पर आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे ताकि विद्यार्थी किताब खोलकर भी सवाल का जवाब आसानी से नहीं दे सकें। इसके लिए विभागों ने प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। संभवतः अगस्त के दूसरे सप्ताह से परीक्षा संचालित की जाएगी। बुधवार को विभागाध्यक्षों की एक और बैठक होना बाकी है। विवि में आइआइपीएस, आइएमएस, आइईटी, लॉ, पत्रकारिता, फिजिकल एजुकेशन, ईएमआरसी समेत 31 विभाग है। यहां के छात्रों के लिए ऑनलाइन परीक्षा होगी। -नप्र